महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) *(A*
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग में मराठी नाटककार शाम मनोहर से चर्चा

सच के पीछे का यथार्थ दर्शाती है कलाकृति - शाम मनोहर

वर्धा, दिनांक 10 अक्टूबर 2012: किसी भी कलाकृति का उद्देश केवल सच को बताना ही नहीं बल्कि सच के पीछे छिपे यथार्थ से पाठकों, दर्शकों का परिचय करवाना होता है। उक्त प्रतिपादन साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता मराठी नाटयकार तथा उपन्यासकार शाम मनोहर, पुणे ने किया।

वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित परिचर्चा में वे बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मराठी के सुविख्यात समीक्षक डॉ. किशोर सानप, वर्धा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार एवं लेखक प्रो. राजेंद्र मुंढे उपस्थित थे।

शाम मनोहर द्वारा लिखित यकृत, हदय, यळकाटे तथा दर्शन आदी नाटकों पर छात्रों ने उनसे विस्तार से चर्चा की। 'दर्शन' नाटक पर छात्रों ने उनसे सवाल भी किये। 'दर्शन' नाटक वर्तमान की सच्चाई एवं उसके कारणों की नाटयात्मक रूप से चर्चा करता है। वर्तमान हालातों का उत्तर आधुनिक दर्शन इस नाटक में लेखक शाम मानोहर ने बखुबी प्रस्तुत किया है। इसलिए आम दर्शकों के अलावा युवा पीढी को भी

यह नाटक आकर्षित करता है। कार्यक्रम के संयोजक तथा नाटय कला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सतीश पावडे ने दर्शन नाटक की विषयवस्तु के बारे में परिचय करवाया। अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. किशोर सानप ने कहा कि शाम मनोहर द्वारा लिखे गये नाटक प्रश्न खडे करने वाले तथा यथार्थ का पोस्टमार्टेम करने वाले हैं। उनके नाटकों ने मराठी रंगमंच में एक अलग पहचान कायम कर ली है। शैली, भाषा, विषय, शिल्प तथा बिंबों के स्तर पर भी वे अलग दिखते हैं, जो सही मायने में उत्तर आधुनिकता को व्याख्यायित करते हैं। विदित हो कि शाम मनोहर का नाटक 'दर्शन' के मंचन की तैयारी प्रथम छमाही के छात्र कर रहे हैं। दर्शन नाटक के कथ्य, तथ्य, विषय, शिल्प, शैली, चरित्र आदी के संदर्भ में छात्रों ने शाम मनोहर से संवाद किया। शाम मनोहर का विस्तृत परिचय प्रो. राजेंद्र मुंढे कराया। अतिथियों का स्वागत डॉ. विधु खरे-दास तथा अखिलेक्ष दीक्षित ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अखिलेक्ष दीक्षित ने किया।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी